प्राचीन भारत में शिक्षण संस्थाएं
भाग-2

Dr. Mukesh Pancholi

4. वल्लभी –

- 600 ई. से 750 ई. तक मैत्रक साम्राज्य की राजधानी।
- वर्तमान में गुजरात के भावनगर जिले में स्थित वल्लभीपुर कहा जाता है।
- यह पुराने राज्य वल्ल के समान है।
- यह विश्वविद्यालय बौद्ध व जैन धर्म का केन्द्र रहा है। बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा का प्रमुख केन्द्र है।
- मैत्रक वंश के राजा ध्रुवसेन की बहन की पुत्री दद्दा ने यहां बौद्ध विहार का निर्माण करवाया।
- ह्वेनसांग ने वल्लभी के विहारों का उल्लेख किया है।

Dr. Mukesh Pancholi

- 7वीं शताब्दी में यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था।
- 512 ई. में वल्लभी में दूसरी जैन संगिती का आयोजन किया गया।
- इसकी अध्यक्षता (संगिती की) श्रमाश्रमण देवर्धिगणी द्वारा की गई।
- प्रथम जैन संगिति पाटलीपुत्र में चंद्रगुप्त मौर्य के काल में हुई।
- सातवीं शताब्दी में चीनी बौद्ध भिक्षु जुआनजंग यहां आए थे व इसे नालंदा के बराबर बताया था।
- सितम्बर, 2017 में, भारतीय केन्द्र सरकार ने प्राचीन विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने के एक प्रस्ताव पर विचार करना शुरु किया है।

Dr. Mukesh Pancholi

5. जगद्दला (बंगाल) –

- रामपाल, पालक वंश के शासक ने 11वीं शताब्दी में इसकी स्थापना की थी।
- यहां के प्रमुख विद्वान – विभूतिचंद्र
- यह बौद्ध धर्म की तंत्रदान शाखा का प्रमुख केन्द्र रहा। (वज्रयान की उपशाखा)

6. उड्डयंतपुरी (औदतपुरी) –

- तक्षशिला के बाद भारत महाविहार में दूसरा सबसे पुराना विहार।
- बिहार में स्थित है।
- धर्मपाल के पूर्व में शासक गोपाल के द्वारा इसकी स्थापना की गई।

Dr. Mukesh Pancholi

- प्रमुख कुलपति – प्रभाकर मित्र
- दीपशंकर श्रीज्ञान – विक्रमशीला में आचार्य के पद पर आसीन थे।
- तिब्बती अभिलेखों के अनुसार इस विश्वविद्यालय में लगभग 12000 छात्र पढ़ते थे।

7. काशी विश्वविद्यालय (बनारस विश्वविद्यालय) –

- कर्मकांडीय शिक्षा के प्रमुख केन्द्र
- अलबरूनी (ईरानी विद्वान) ने यहां आकर संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन किया।
- श्री हर्ष (कश्मीरी लेखक) द्वारा रचित नैषधचरित पुस्तक की रचना यही की थी।

Dr. Mukesh Pancholi

- हिंदू धर्म में काशी को (7) मोक्षपुरियों में गिना जाता है।
- ये सात मोक्षपुरियां है –
  1. अयोध्या
  2. मथुरा
  3. हरिद्वार
  4. वाराणसी (काशी)
  5. कांचीपुरम्
  6. उज्जैन
  7. द्वारका

Dr. Mukesh Pancholi

8. कन्नौज –

- वर्तमान में उत्तरप्रदेश में।
- हर्षवर्द्धन (पुष्यभूति/वर्द्धन वंश का शासक) के समय यह राजनीतिक व सांस्कृतिक केन्द्र था।
- हर्ष के दरबारी बाणभट्ट ने 'हर्षचरित' व 'कादंबरी' की रचना यहीं की थी।
- हर्षवर्द्धन की भी तीन रचनाएं है –
  1. नागानंद
  2. रत्नावली
  3. प्रियदर्शिका

Dr. Mukesh Pancholi

9. मिथिला –

- औपनिषदिक युग में मिथिला शिक्षा की ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रमुख केन्द्र बन गया। इसे विदेह नाम दिया गया।
- राजा जनक धार्मिक सम्मेलन आयोजित करते थे, जिसमें ऋषियों व पंडितों ने धार्मिक चर्चा में भाग लिया।
- 12वीं शताब्दी से 15वीं शताब्दी तक मिथिला शिक्षा और संस्कृति का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र था, और साहित्य, ललित कलाओं के अलावा, वैज्ञानिक विषयों को भी वहां पढ़ाया जाता था।

Dr. Mukesh Pancholi

- यहां तक की मुगल सम्राट अकबर के काल तक यह देशव्यापी ख्याति प्राप्त शिक्षा व संस्कृति का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र के रूप में पनपता रहा। यह न्यायशास्त्र व तर्कशास्त्र के लिए प्रसिद्ध था।

10. सोमपुरा –

- 8वीं से 12वीं शताब्दी में 400 साल तक प्रसिद्ध
- यह 8वीं शताब्दी के अंत में बंगाल में पाल वंश के धर्मपाल द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह विश्वविद्यालय 27 एकड़ भूमि में फल था, जिसका मुख्य परिसर अपनी तरह का सबसे बड़ा भावन था।

Dr. Mukesh Pancholi

- यहां बौद्ध, जैन, हिंदू धर्म के लिए एक प्रमुख केन्द्र था, इसकी बाहरी दिवारों पर सजावटी टेराकोटा इन तीन धर्मों के प्रभावों को दर्शाती थी।
- वर्तमान में बांग्लादेश में (अवशेष)।

11. नादिया –

- नादिया को पहले नवद्वीप कहा जाता था।
- यह बंगाल में गंगा व जलंगी नदियों के संगम पर स्थित है। यह व्यापार व वाणिज्य के साथ-साथ सीखने व संस्कृति का केन्द्र था।

Dr. Mukesh Pancholi

- नालंदा व विक्रमशीला के पतन के कारण नादिया का महत्त्व अधिक बढ़ गया। इसे हिंदू संस्कृति व शिक्षा का प्रमुख केन्द्र माना जाने लगा।
- नादिया विश्वविद्यालय में शिक्षा तीन केन्द्रों नवद्वीप, शांतिपुर व गोपालपुर में प्रदान की गई। कई छात्र तो यहां 20 वर्ष तक अध्ययन करते रहे।

Dr. Mukesh Pancholi

निष्कर्ष –

- वैदिक काल और ब्राह्मणवादी शैक्षिक प्रणाली में शिक्षा प्रणाली का अध्ययन यह स्पष्ट करता है, कि उन दिनों शिक्षकों के निवास स्थान गुरुकुलों नामक शैक्षणिक संस्थान थे।
- वहीं शिक्षक, शिक्षार्थियों को पढ़ाते लिखाते व एक परिवार के सदस्य के रूप में साथ रहते थे।
- प्राचीन भारत में वैदिक व बौद्ध काल में आधुनिक युग की तरह अच्छी तरह संगठित शिक्षण संस्था अस्तित्व में नहीं आए थे, जो विश्वविद्यालय हुए उनमें से अधिकांश लगभग 12वीं शताब्दी में समाप्त हो गए।

Dr. Mukesh Pancholi

12. कश्मीर -

- कश्मीर शैव के साथ-साथ बौद्ध धर्म का भी प्रधान स्थल रहा है। प्रथम शताब्दी में सम्राट कनिष्क ने चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुंडलवन कश्मीर में ही करवाया था।
- प्रसिद्ध विद्वान कुमारजीव, खोतान (वर्तमान में चीन) (बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध स्थल) से कश्मीर आए थे।
- रत्नाकर, क्षेमेन्द्र, सोमेन्द्र मंखक आदि प्रसिद्ध विद्वान कश्मीर के निवासी थे। जिन्होंने हरिविजय, वृहत् कथामंजरी, श्री कंटचरित आदि ग्रंथों की रचना की। कल्हण ने प्रसिद्ध ग्रंथ राजतंरिगीणी की रचना की।

Dr. Mukesh Pancholi

13. धारा –

- परमार वंश की राजधानी धारा नगरी भी पूर्व मध्यकाल में शिक्षा के लिए बहुत प्रसिद्ध थी।
- राजा मुंज के शासनकाल में धारा नगरी हिंदू धर्म व शिक्षा का प्रधान केन्द्र बन चुकी थी।
- भोज की राजसभा में धनपाल, विज्ञानेश्वर, उवट आदि अनेक प्रसिद्ध लेखक रहते थे, उनके द्वारा स्थापित 'भोजशाला' विश्वविद्यालय के रूप में विख्यात थी।
- 'दशरूपक' का लेखक धनंजय व 'यशोरूपावलोक' का रचयिता धनिक भी धारा नगरी के ही निवासी थे।

Dr. Mukesh Pancholi

14. अहिलपाटन –

- गुजरात के चालुक्य वंशी शासकों की राजधानी अहिलपाटन शिक्षा केन्द्र के रूप में विख्यात थी।
- यहां हिंदू धर्म के अलावा जैन धर्म व दर्शन की भी शिक्षा दी जाती थी।
- सोम प्रभाचार्य, हेमचंद्र, जयसिंह, वत्सराज जैसे विद्वान लेखक ने अहिलपाटन के आश्रय में ही विभिन्न ग्रंथों की रचना की थी।

Dr. Mukesh Pancholi

15. काँची –

- पल्लव वंशी शासकों के नेतृत्व में दक्षिण भारत में कांची एक महान शिक्षा का केन्द्र था।
- इस केन्द्र का विकास विश्वविद्यालय के रूप में हुआ। दक्षिण भारत के निवासियों के अलावा भी विभिन्न प्रदेशों के निवासी यहां शिक्षा प्राप्त करने आते थे।
- महाकवि दंडिन ने कांची के राज्याश्रय में रहकर अनेक ग्रंथों की रचना की। वात्सायन व दिक्नाग जैसे विद्वान भी यहीं के शिष्य थे।

Dr. Mukesh Pancholi

Note (अग्रहार व्यवस्था) –

प्राचीन काल में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रहारों की व्यवस्था का श्रेष्ठ रूप देखने को मिलता है, कुछ अवसरों पर राजा विद्वान ब्राह्मणों को एक गांव में बसा देते थे और उनकी व्यवस्था के लिए राज्य की ओर से कुछ गांव प्रदान कर दिए जाते थे। ऐसे गांव अग्रहार कहलाते थे।

Dr. Mukesh Panchori

प्राचीन काल में भारत में शिक्षण संस्थाएं

महत्त्वपूर्ण प्रश्न (भाग-2)

Dr. Mukesh Pancholi

1. वैदिक युग में विद्यार्थियों को बुलाया जाता था -

(A) ब्राह्मण

(B) ब्रह्मचारी

(C) चरक

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

2. वैदिक काल में शिक्षक का शीर्षक क्या था?

(A) आचार्य

(B) गुरु

(C) शिक्षा

(D) ब्रह्म

Dr. Mukesh Pancholi

3. दूसरी जैन संगीति का आयोजन किया गया था -

(A) पाटलीपुत्र में

(B) वल्लभी में

(C) कश्मीर में

(D) काशी में

Dr. Mukesh Pancholi

4. कौनसा चीनी यात्री वल्लभी आया, जिसने उसकी तुलना नालंदा से की -

(A) ह्वेनसांग

(B) फाह्यान

(C) इत्सिंग

(D) जुआनसांग

Dr. Mukesh Pancholi

5. रामपाल द्वारा स्थापित शैक्षिक केन्द्र कौनसा है?

(A) जगद्दला

(B) नालंदा

(C) विक्रमशीला

(D) कन्नौज

Dr. Mukesh Pancholi

6. तक्षशिला के बाद भारत का दूसरा महाविहार कौनसा है -

(A) औदंतपुरी

(B) मिथिला

(C) काशी

(D) कन्नौज

Dr. Mukesh Pancholi

7. औदंतपुरी के प्रथम कुलपति कौन थे -

(A) दीपशंकर श्रीज्ञान

(B) शीलभद्र

(C) प्रभाकर मित्र

(D) विभूतिचंद्र

Dr. Mukesh Pancholi

8. अलबरुनी भारत किस शैक्षिक संस्थान में आया था -

(A) उड्डुयंतपुरी

(B) काशी

(C) कश्मीर

(D) कन्नौज

Dr. Mukesh Pancholi

9. हर्षवर्द्धन के समय का प्रसिद्ध शैक्षिक केन्द्र -

(A) मथुरा

(B) धारा

(C) अहिलपाटन

(D) कन्नौज

Dr. Mukesh Pancholi

10. रत्नाकर, क्षेमेन्द्र, सोमेन्द्र कहां के प्रसिद्ध विद्वान थे -

(A) धारा

(B) कश्मीर

(C) अहिलपाटन

(D) कांची

Dr. Mukesh Pancholi

11. वर्तमान में किस विश्वविद्यालय के अवशेष बांग्लादेश में अवस्थित है?

(A) धारा

(B) कांची

(C) सोमपुरा

(D) औदंतपुरी

Dr. Mukesh Pancholi

12. प्रभाचार्य, हेमचंद्र, जयसिंह आदि विद्वानों ने कहां / किस विश्वविद्यालय में आश्रय लिया व ग्रंथों की रचना की-

(A) कांची

(B) आहिलपाटन

(C) नादिया

(D) कन्नौज

Dr. Mukesh Pancholi

13. दक्षिण भारत का प्रसिद्ध शिक्षा का केन्द्र था -

(A) वाराणसी

(B) सोमपुरा

(C) कांची

(D) वल्लभी

Dr. Mukesh Pancholi

14. श्री हर्ष ने 'नैषधचरित' की रचना किस स्थान पर की–

(A) कांची

(B) कश्मीर

(C) काशी

(D) औदंतपुरी

Dr. Mukesh Pancholi

15. 12वीं से 15वीं शताब्दी तक शिक्षा व संस्कृति का प्रमुख केन्द्र जो औपनिषदिक युग में ब्राह्मण व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध था -

(A) काशी

(B) वाराणसी

(C) बनारस

(D) मिथिला

Dr. Mukesh Pancholi